सितम्बर, 2021

MATRUTVA SEVA SANSTHAN
मातृत्व का यह प्रयास
सबकी समृद्धि सबका विकास

"हमें अपने सामर्थ्य के अनुसार दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ध्यान रखें कोई भूख से या कोई दवाइयों के अभाव में न मर जाए। लोगों की जरूरतें पूरी करना भी भगवान की भक्ति करने जैसा ही है।"

Reg. No: 62/UDR/2001-02

मातृत्व सेवा संस्थान

4, किर्ती सदन, सब सिटी सेन्टर के पास
गारियावास, उदयपुर (राज.) 313001
Email : mssansthan@rediffmail.com
Email : mssansthan2001@gmail.com
Website : www.matrutvasevasanthan.org

0294-2944366
9783224366 9468819199
8905987754-55,57,58,59

"मातृत्व एक नज़र में"

मातृत्व सेवा संस्थान एक गैर सरकारी, गैर लाभकारी, गैर राजनीतिक स्वैच्छिक संस्थान है, जो राजस्थान सोसायटी एक्ट की धारा अधिनियम 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत है, जिसका पंजीयन क्रमांक 62/ उदयपुर/2001-02 में रजिस्टर्ड है। संस्थान विगत 21 वर्षों से मानवता की सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

-: SANSTHAN BANK DETAILS :-

PUNJAB NATIONAL BANK

A/C NAME : MATRUTVA SEVA SANSTHAN,
BRANCH: PANCHSHIL MARG, TOWN HALL
A/C NO: 0458000100313177
IFSC CODE: PUNB0045800

ICICI BANK

A/C NAME : MATRUTVA SEVA SANSTHAN,
BRANCH: RETI STAND,
A/C NO: 433001000257
IFSC CODE: ICIC0004330

AXIS BANK

A/C NAME : MATRUTVA SEVA SANSTHAN,
BRANCH: SECTOR - 5
A/C NO: 919010088955689
IFSC CODE: UTIB0002114

Donate Now

Q93023202@ybl

Matrutva Seva Sansthan

Scan & Pay using Paytm App

Wallet & Bank A/c | Any Debit / Credit card | Paytm Postpaid

BHIM UPI

"संस्थान अध्यक्ष परिचय"

श्री सी.पी. सालवी मातृत्व सेवा संस्थान के संस्थापक और निदेशक हैं। वह एम.ए. (समाजशास्त्र) से स्नात्कोत्तर हैं। उन्हें विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यो में 20 वर्षो से अधिक का अनुभव है। वह निरन्तर रुप से गरीब व पिछड़े समुदाय के लिए सम्पूर्ण भारत में सेवा कार्य कर रहे हैं।

"संस्थान के मुख्य उद्देश्य"

- गरीब, वंचित, पिछडा वर्ग, विधवा, विकलांग, असहाय, निराश्रित, बी.पी.एल., गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले बालक/बालिकाओं के सर्वांगिण विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र की समुचित व्यवस्था करना।
- गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों की खोज करना एवं उनके उत्थान हेतु विभिन्न दानदाताओं एंव भामाशाह के सहयोग से लाभान्वित करना।
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों का आयोजन करवाना एवं उन्हें रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ना, चल चिकित्सालय के माध्यम से जगह-जगह अत्यन्त दुर्गम गांवों में जाकर जटील बिमारीयों के व्यक्तियों की खोज कर उनके निदान हेतु दानदाताओं के सहयोग से उनको बीमारी मुक्त किया जायेगा।
- गौशालाओं का निर्माण करवाकर गायों को सुरक्षा प्रदान करवाना।
- अत्यन्त जटिल बीमारी से ग्रस्त लोगों की खोज कर उन्हें दानदाताओं से सहयोग प्राप्त कर उनका निदान करना। विकलांग, विधवा, निराश्रित, अनाथ बच्चों की खोज कर उनके भविष्य की सुरक्षा हेतु उनके धर्म माता-पिता की सुनिश्चित व्यवस्था करवाना जिसके लिए घर-घर जाकर दानदाताओं से सम्पर्क करना।
- वयोवृद्ध लोगों की सहायता हेतु वृद्धाश्रम के निर्माण हेतु दानदाताओं से सम्पर्क करना।
- विकलांग, मूक बधिर, अंधता, मानसिक अक्षमता आदि रोगों से ग्रस्त बालक/बालिकाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण व रोजगार की सुनिश्चित व्यवस्था करने हेतु धर्म माता-पिता की खोज करना।
- आय संवर्द्धन कार्यक्रम को संस्थान के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की जा सके।
- पर्यावरण की सुरक्षा हेतु जगह-जगह पर्यावरण मित्र मण्डलो का निर्माण किया जायेगा जो पर्यावरण की सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करेगा।
- नशा निवारण हेतु विभिन्न प्रकार के शिविरों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा करना।
- गरीब जरूरतमंद असहाय, निर्धन परिवारों को भोजन उपलब्ध करवाना साथ ही राशन वितरण करवाना।

संस्थान रजिस्ट्रेशन नं. क्रमांक : 62/उदयपुर/2001-02 दिनांक : 06/08/2001
(राजस्थान सोसायटी एक्ट की धारा अधिनियम 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत)

80 G RENEWAL (ORDER FOR APPROVAL)
URN NO. UNIQUE REGISTRATION NUMBER : AAATM81145520219
DATE OF APPROVAL : 24.09.2021
DATE OF VALIDITY : FROM AY 2022-23 TO AY 2026-27

12 AA RENEWAL (ORDER FOR REGISTRATION)
URN NO. UNIQUE REGISTRATION NUMBER : AAATM8114FE20211
DATE OF APPROVAL : 24.09.2021
DATE OF VALIDITY : FROM AY 2022-23 TO AY 2026-27

PAN NO. - AATM8114F

अगर आप ईश्वर को खोजना चाहते हैं तो अपने विचारों के बीच छूटे हुए स्थान में देखिये।

Reg. No: 62/UDR/2001-02

मातृत्व सेवा संस्थान

"मातृत्व का यह प्रयास
सबकी समृद्धि सबका विकास"

"संस्थान अध्यक्ष की कलम से एक अपील"

मातृत्व की सोच

मातृत्व का यह मानना है कि गरीब, वंचित, पिछड़ा वर्ग, विधवा, विकलांग, असहाय, निराश्रित, बी.पी.एल.,गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले लोगों में त्याग, जागृति, मार्गदर्शन, प्रेरणा और सेवा की कमी के कारण मानव स्वयं अपनी क्षमताओं का सम्पूर्ण विकास नहीं कर पाता है। यदि जागृति, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा द्वारा इनको क्षमताओं को उभारा जाए तो इनका विकास संभव है। इसके लिए मातृत्व सेवा संस्थान ने इनके विकास के लिए इनको छुपी हुई क्षमता को उभारने के लिए एक कदम उठाया है, आप अपने हाथ आगे लाओ मातृत्व सेवा संस्थान आपको सहारा एवं सहयोग देगी जिससे यह लोग समाज में सम्मानजनक जीवन जी सके एवं राष्ट्र के

संस्थान की दृष्टि

मातृत्व सेवा संस्थान की दृष्टि ऐसे हर व्यक्ति को खोज रही है जो कई कोसों दूर होकर अपने हाथ सहयोग पाने के लिए फैला रहे हैं. गरीब, वंचित, पिछडा वर्ग, विधवा, विकलांग, असहाय, निराश्रित, बी.पी.एल., गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले लोग अपने स्थानीय संसाधनों के प्रति जागरूक होकर अपनी सूझ–बूझ एवं प्रबंध क्षमता के आधार पर संगठन बनाकर समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करें एवं राष्ट्र के विकास में जुड़कर अपना

संस्थान का ध्येय

अत्यंत दुर्गम गांवों में गरीब, वंचित, पिछडा वर्ग, विधवा, विकलांग, असहाय, निराश्रित, बी.पी.एल., गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यावसायिक प्रशिक्षण, जन चेतना शिविर, रचनात्मक प्रवृत्तियों के द्वारा ग्रामीण समुदाय विशेषकर पिछडे एवं निर्धन वर्गों की सेवा करते हुए समुदाय को अपने स्थानीय संसाधनों, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रयासरत है।

संस्थान की रणनीति

1. संस्थान लोक जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की कच्ची बस्तियों, ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत, गांव एवं फला स्तर से प्रभावित भू–भाग पर कार्य करेगी।
2. संस्थान समान विचारधाराओं वाली संस्थानों, ट्रस्टों, जनसंगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं, दानदाताओं, सेवाभावीयों, भामाशाहों के सहयोग, जनसमुदाय से जुड़कर गठबंधन बनाते हुए सेवा का कार्य करेगी।
3. स्थानीय मुद्दों पर स्थानीय नेतृत्व की पहचान करके अपने व्याप्त क्षमताओं का विकास करेगी। संस्थान सभी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में महिलाओं का सशक्तिकरण एवं विकासात्मक की भूमिका को बढ़ाने की प्रक्रिया के अवसर पैदा करेगी।
4. आयोजना, निर्णय एवं क्रियान्वयन में लोगों की भागीदारी बढ़ाने का कार्य करेगी।
5. संस्थान मुख्य रूप से महिलाओं को अधिक से अधिक भागीदारी बढ़ाने को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के निर्माण में महिलाओं के विकास पर जोर देगी।

देख दु:खियों की पीड़ा को भुले अपनी पीर।
करूण हृदय से छलक पड़ा तत्क्षण करूणा नीर।।

अगर आप ईश्वर को खोजना चाहते हैं तो अपने विचारों के बीच छूटे हुए स्थान में देखिये।

Reg. No: 62/UDR/2001-02

मातृत्व सेवा संस्थान

"मातृत्व का यह प्रयास
सबकी समृद्धि सबका विकास"

मातृत्व आश्रालय

यही भाव आपश्री के पवित्र हृदय में हिलोरे ले रहा है, तभी तो हमारे अपने ही समाज के बन्धु जो गरीबी, बीमारी व बिना आश्रय के कारण दर्द भरा जीवन बिता रहे हैं उनकी सेवा के लिए आपश्री के पवित्र हाथ उठे हैं। आपने उन घरों को रोशन किया, जो उजाले के लिए तरस रहे थे. आपने उन लोगों को नया जीवन प्रदान किया जिनके जीने की आशा टूट चुकी थी जो नियति के आगे निहत्थे जीवन से लड रहे थे उनके जीवन की जीत आपकी देन है-मान्यवर! आपश्री ने मातृत्व सेवा संस्थान के माध्यम से मानवता की सेवा कर अपनी मानवीयता को मुखर किया हम आपकी करूणा को नमन करते हुए कोटिश आभार एवं साधुवाद अर्पित करते हैं।

संस्थान द्वारा अनाथ निराश्रित बाल गोपालों की शिक्षा संस्कार एवं स्वावलम्बन के लिए "मातृत्व आश्रालय" का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है जहाँ स्नेह एवं दुलार से वंचित इन नन्हे बाल गोपालों को माता एवं पिता की तरह स्नेह, संस्कार एवं शिक्षा प्रदान कर इनमें मानवीय मूल्यों की स्थापना के साथ उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जायेगा आपश्री इन मासूमों के भाग्य विधाता बन अपने अपने पवित्र सहयोग से इस पुनीत ईश्वरीय कार्य को गति प्रदान करावें। आपश्री का एक सहयोग इनकी जिन्दगी को बदल सकता है।

ऐसे बालक/बालिकाएं जो अपने घर में एक व्यक्ति की रोटी का जुगाड नहीं कर पाते हैं, ऐसे गरीब बालक शिक्षा से वंचित हैं। ऐसे बालक/बालिकाएं जिनके माता-पिता नहीं है उन्होनें कभी विद्यालय का नाम नहीं सुना है न कभी विद्यालय को देखा है ऐसे बालक/बालिकाओं के लिए "मातृत्व आश्रालय" में इन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से लाया जायेगा साथ ही उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए संस्थान आपश्री जैसे दानदाताओं के सहयोग से उन्हें रोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की जायेगी।

1. गाय को घास खिलाने से ग्रह पीडा दूर होती है।
2. पंछी को दाना डालने से रोजगार अच्छा चलता है।
3. कुत्ते को रोटी डालने से दुश्मन भाग जाते हैं।
4. मछली को आटे की गोटी बनाकर डालने से गई हुई समृद्धि वापस मिलती है।
5. चीटीयों के घर में आटे/शक्कर का मिश्रण डालने से कर्जा कम होता है।

इन सभी सेवा के साथ यदि मानवता की सेवा में आगे बढ़कर दान पुण्य करने से यह पाँचों कार्य सम्पूर्ण होते हैं। धर्म के काम के लिए हाथ बढ़ाओ, आपश्री के हाथ कल्पवृक्ष के समान बन जायेंगे।

बेसहारों को जो दे सहारा, वो है मानवता का सहारा

आपश्री के सहयोगी की एक अपील - (01 माह के लिए)

01 परिवार के धर्म माता-पिता बन सहयोग प्रदान करें -	5,001/-
05 परिवार के धर्म माता-पिता बन सहयोग प्रदान करें -	21,001/-
10 परिवार के धर्म माता-पिता बन सहयोग प्रदान करें -	50,001/-
21 परिवार के धर्म माता-पिता बन सहयोग प्रदान करें -	1,01,001/-
51 परिवार के धर्म माता-पिता बन सहयोग प्रदान करें -	2,55,001/-
101 परिवार के धर्म माता-पिता बन सहयोग प्रदान करें -	5,51,001/-

मातृत्व आश्रालय में आपश्री का निर्माण हेतु सहयोग राशि प्रदान करावें, जिससे कमरे के ऊपर आपश्री के शुभ नाम, पता, सहयोग राशि आदि का मार्बल के पत्थर पर सुनहरे अक्षरों में लिखवा कर पट्टी लगाई जायेगी। मातृत्व आश्रालय के पूर्ण निर्माण पश्चात् आपश्री के कर कमलों द्वारा इसका शुभारंभ किया जायेगा। कई नन्हें हाथ आपश्री के सहयोग के लिए अपनी आँखों से एक-एक बूँद गिराते हुए आपश्री के सहयोग की प्रतिक्षा में बैठे हैं। आपश्री के सहयोग से कई मासूम चेहरे खिल उठेंगे बस एक आपश्री द्वारा किया गया दान उन नन्हें चेहरों के लिए वरदान साबित होगा एवं नन्हे मासूमों द्वारा दी गई दुआ से आपश्री का मानव जीवन सफल हो जायेगा।

यह जीवन प्रभु का अमूल्य वरदान हैं इसे व्यर्थ ना गवाओ।

"मातृत्व गौ सेवा"

संस्थान द्वारा वर्तमान में गाय (गौ माता) की सुरक्षा हेतु मातृत्व गौशाला का निर्माण करने का एक अहम कदम उठाया है। जिसके लिए संस्थान द्वारा राजस्थान के उदयपुर जिले से लगभग 20 कि.मी. दूर डबोक क्षेत्र में प्रगति विहार क्षेत्र में प्रस्तावित भूमि का चयन किया गया है। जहाँ मातृत्व गौशाला का निर्माण किया जायेगा वर्तमान में पशुओं को सुरक्षा हेतु मानवता के क्षेत्र में कोई आगे नहीं आता है इस उद्देश्य को लेकर संस्थान द्वारा ऐसी गाय जो इधर-उधर आवारा पशुओं की भाँति घूमती-फिरती रहती है, क्रूरता पूर्वक उन्हें काटने के लिए ले जाया जाता है ऐसी गायों को संस्थान द्वारा खोज कर उन्हें मातृत्व गौशाला में रखा जायेगा एवं उनकी सम्पूर्ण देख-रेख आपश्री जैसे भामाशाह दानदाता के आशीर्वाद से की जायेगी।

जिनकी सेवा कर के नर भव से तर जाता, सब देवो का अंश समेटे है गौ माता.

आपश्री का दान सादर प्रार्थनीय है

01 गाय के लिए एक दिन के दान स्वरूप - 201/-
05 गाय के लिए एक दिन के दान स्वरूप - 551/-
10 गाय के लिए एक दिन के दान स्वरूप - 2,501/-
30 गाय के लिए एक दिन के दान स्वरूप - 5,001/-
01 माह के लिए दान स्वरूप (50 गाय) - 10,501/-
03 माह के लिए दान स्वरूप (70 गाय) - 40,001/-
06 माह के लिए दान स्वरूप (50 गाय) - 75,001/-
09 माह के लिए दान स्वरूप (100 गाय) - 90,001/-
01 वर्ष के लिए दान स्वरूप (251 गाय) - 1,00,001/-

आपश्री के दान स्वरूप सहयोग से गौ माता के आशीर्वाद स्वरूप हवन करवाया जायेगा, जिससे आपश्री को गौ माता का आशीर्वाद प्रदान हो सकेगा।

"मातृत्व वस्त्रालय योजना"

मातृत्व वस्त्रालय योजना के तहत संस्थान द्वारा आपश्री के दिये गये दान से दीन–दुखी, गरीब, निर्धन, असहाय, भूखे–नंगे, विधवा, विकलांग, विक्षिप्त व्यक्तियों की खोज कर उन्हें वस्त्र वितरीत किये जायेंगे। जिसके लिए संस्थान द्वारा जगह–जगह मातृत्व वस्त्रालय योजना चलाई जायेगी। संस्थान द्वारा आपश्री के कम कमलों द्वारा या आपकी अनुपस्थिति में आपश्री का बैनर बनाकर आपश्री के शुभ नाम से उन्हें इस योजना से लाभान्वित कर उनके दुखों को दूर किया जायेगा। संस्थान द्वारा मंन्दिरों, फुटपाथों, रेलवे स्टेशन के बाहर कच्ची बस्तियों, झुग्गी झोपडियों में रहने वाले ऐसे कई परिवार आज भी बिना कपडे घूमते नजर आते हैं। संस्थान कार्यकर्ताओं द्वारा जब दुर्गम क्षेत्रों का भ्रमण किया जाता है तो आँखें खुली की खुली रह जाती है, जब छोटे–छोट नन्हे बच्चे बिना कपडों के घूमते नजर आते हैं। सर्दियों के दिनों में उनके तन बदन पर फटे–टुटे कपडे के चिथडे नजर आते हैं ऐसी स्थिति में वह सर्द हवाओं में रात कैसे गुजारता होगा इसी दर्द की प्रेरणा से जुझकर संस्थान द्वारा मातृत्व वस्त्रालय योजना चलाई गई। यह शुभ कार्य केवल आपश्री के एक दान सहयोग से ही संभव हो पायेगा। आपश्री के सहयोग से नन्हे मासूमों को पहनने को वस्त्र प्रदान हो जायेगा। आपश्री के एक हाथ आगे बढने से अनेक लोगों की दुआ आपश्री के जीवन की सफलता को चार गुना आगे तक ले जायेगी.

जरूरतमंद बच्चों को कपड़े वितरित करते हुए

आपश्री का दान सादर प्रार्थनीय है

01 नन्हे मासूम के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	501/–
05 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	2,501/–
10 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	5,001/–
25 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	12,500/–
30 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	15,001/–
50 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	25,001/–
75 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	37,501/–
100 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	51,001/–
300 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	1,51,001/–
500 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	2,51,001/–
1001 नन्हे मासूमों के लिए वस्त्र/कम्बल इत्यादि –	5,11,111/–

अगर आप ईश्वर को खोजना चाहते हैं तो अपने विचारों के बीच छूटे हुए स्थान में देखिये।

Reg. No: 62/UDR/2001-02

मातृत्व सेवा संस्थान

''मातृत्व का यह प्रयास
सबकी समृद्धि सबका विकास''

"फूड ड्राईव योजना"

''फूड ड्राईव'' के तहत संस्थान द्वारा आपश्री के दिये गये दान से दीन-दुखी, गरीब, निर्धन, असहाय, भूखे-नंगे, विधवा, विकलांग, विक्षिप्त व्यक्तियों की खोज कर उन्हें भोजन करवाया जायेगा। जिसके लिए संस्थान द्वारा जगह-जगह ''फूड ड्राईव'' चलाया जायेगा। संस्थान द्वारा आपश्री के कर कमलों द्वारा या आपश्री की अनुपस्थिति में आपश्री का बैनर बनाकर आपश्री के शुभ नाम से उन्हें इस भण्डारे से लाभान्वित कर उनके दुखों को दूर किया जायेगा। संस्थान द्वारा मन्दिरों, फुटपाथों, रेलवे स्टेशन के बाहर, कच्ची बस्तियों, झुग्गी झोपडियों में रहने वाले ऐसे कई परिवार आज भी एक वक्त की रोटी के लिए इन्तजार कर रहे हैं। ऐसे परिवारों के घर-घर जाकर उन्हें ''फूड ड्राईव'' से उनके पेट की आग बुझाई जायेगी। यह शुभ कार्य केवल आपश्री के एक दान सहयोग से ही संभव हो पायेगा। आपश्री के एक हाथ आगे बढ़ने से अनेक लोगों की दुआ आपश्री के जीवन की सफलता को चार गुना आगे तक ले जायेगी.

आपश्री का दान सादर प्रार्थनीय है

01 व्यक्ति के लिए एक दिन का भोजन	51/- रुपये
05 व्यक्तियों के लिए एक दिन का भोजन	101/- रुपये
10 व्यक्तियों के लिए एक दिन का भोजन	501/- रुपये
25 व्यक्तियों के लिए एक दिन का भोजन	1,250/- रुपये
30 व्यक्तियों के लिए एक दिन का भोजन	1,501/- रुपये
01 माह के लिए भोजन भण्डारा	41,000/- रुपये
03 माह के लिए भोजन भण्डारा	1,11,000/- रुपये
06 माह के लिए भोजन भण्डारा	2,51,000/- रुपये
01 वर्ष के लिए भोजन भण्डारा	5,11,000/- रुपये

औरों के हित जो हंसता है, औरों के हित जो रोता है! उसका हर आँसू रामायण, प्रत्येक कर्म गीता है!!

अगर आप ईश्वर को खोजना चाहते हैं तो अपने विचारों के बीच छूटे हुए स्थान में देखिये।

"मातृत्व प्रशिक्षण सेवा केन्द्र"

संस्थान द्वारा वर्ष 2001 से लेकर अब तक कुल 526 महिलाओं को सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, सॉफ्ट-टॉय, ज़रदोजी वर्क इत्यादि का प्रशिक्षण देकर लाभान्वित किया जा चुका है। संस्थान द्वारा विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से दीन-दुखी, गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले बी.पी.एल. परिवार की महिलाओं, विकलांग, विधवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार की मुख्य धारा से जोडने का कार्य किया जाता है। जिसके लिए संस्थान द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की कच्ची बस्तियों में जाकर गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों को खोज कर उन्हें प्रशिक्षण के माध्यम से लाभान्वित किया जाता है।

वर्तमान में संस्थान के पास स्वयं का प्रशिक्षण केन्द्र उपलब्ध नहीं है परन्तु संस्थान द्वारा प्रस्तावित जमीन का अवलोकन कर लिया गया है जहाँ महिलाओं को एक छत के नीचे निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। आपश्री के सहयोग से ऐसी महिलाओं के जीवन को परिवर्तित किया जायेगा जो महिलाएँ घर-घर जाकर काम करती है, मजदूरी करने जाती है ऐसी महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार की मुख्य धारा से जोड़ा जायेगा।

जिसके लिए आपश्री जिसे भामाशाह दानदाता का सहयोग सादर प्रार्थनीय है.

निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण सेवा केन्द्र
30 महिलाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण सेवा (03 माह के लिए)

1. सिलाई प्रशिक्षक मानदेय राशि-9,000/- (3000/- रुपये प्रति माह)
2. सिलाई मशीन खर्च सहयोग राशि-18,000/- (06 मशीनें)
3. प्रशिक्षक हॉल किराया-6,000/- (03 माह)
4. टूल्स एण्ड किट्स-15,000/- (500/- रु. प्रति महिला 30 महिलाओं के लिए)
5. सहायक मानदेय-6,000/- रु. (2,000/- रु. प्रत्येक माह)

कुल सहयोग राशि-54,000/- रु.

आपश्री के एक हाथ आगे बढने से अनेक लोगों की दुआ आपश्री के जीवन की सफलता को चार गुना आगे तक ले जायेगी.

हस्तशिल्प कल्याणार्थ

मातृत्व सेवा संस्थान विगत 5 वर्षो से हस्तशिल्प के क्षेत्र में कार्य कर रही है। संस्था का उद्‌देश कुल 8 जिलों में सर्वे कर ऐसे हस्तशिल्पियों की खोज करना है जो कि हस्तशिल्प कला के साथ जुडे हुए हैं अथवा हस्तशिल्प का कार्य कर रहे हैं। संस्था ऐसे हस्तशिल्पियों के उत्थान एवं विकास हेतु कुछ करना चाहती है जिनके पास हुनर तो है लेकिन वे अपने उत्पाद या कला को आगे नहीं ले जा पा रहे हैं।

''कला सोच को मूर्ति में बदल देती है''

संस्था ऐसे हस्तशिल्पियों को एक मंच प्रदान करना चाहती है जहाँ वे अपनी कला एवं उत्पाद को देश-विदेश में प्रसिद्ध कर सकें। संस्था ऐसे हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित कर उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देकर उन्हें उनकी कला एवं विकास हेतु जागरूक करेगी। जिससे कि उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारा जा सके। इस कार्य के लिए संस्था को आपश्री जैसे भामाशाहों एवं दानदाताओं की सहायता की आवश्यकता होगी जो कि हस्तशिल्पियों के उत्थान एवं विकास हेतु अपना हाथ आगे बढा सके जिससे कि हस्तशिल्पि अपनी कला एवं स्वयं का जीवन स्तर दोनों को ऊपर उठा सके।

वेस्ट से बेस्ट अभियान

वेस्ट से बेस्ट अभियान के तहत मातृत्व सेवा संस्थान द्वारा उदयपुर जिले में गरीब एवं वंचित वर्ग जो ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से सटे हुए गांव, कस्बों एवं कच्ची बस्तियों में निवास कर रहे लोगों को संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुखी, गतिविधियों, कार्यक्रमों, योजनाओं से जोडकर उनको आत्मनिर्भर बनाते हुए जागरूक किया जायेगा एवं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जायेगा। हमारी संस्था द्वारा इस हेतु अनेक योजनाओं को प्रारम्भ किया गया है। जिनमें से कुछ योजनाएँ इस प्रकार हैं:- शहरी क्षेत्रों की कच्ची बस्तियों में सर्वे, रोड सेफ्टी, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण सुरक्षा, महिला जागरूकता शिविर, चिकित्सा, उज्जवला योजना, श्रमिक कार्ड, भामाशाह कार्ड, महिला प्रशिक्षण केन्द्र, हस्तकला, अचार-मसाला, पापड उद्योग, नि:शुल्क तकनीकी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, स्वयं सहायता समूह संचालन व ऐसी अनेक योजनाएं सम्मिलित हैं,

इन्हीं कार्यक्रमों के अन्तर्गत संस्था द्वारा एक नई योजना का संचालन किया गया जिसका नाम वेस्ट से बेस्ट अभियान है। इसमें घर, अस्पताल, कल-कारखानों आदि से अनुपयोगी सामग्री को एकत्र कर उनका महिलाओं द्वारा पुन: निर्माण किया गया। उदाहरण के लिए प्लास्टिक, कागज, फूल-पत्तियाँ आदि अनुपयोगी सामग्री का प्रयोग कर अगरबत्ती, पत्तल-दोने, बिन्दी, कागज की पेन्सिल, बैग, थैलियां आदि का निर्माण किया गया। हमारी संस्था का प्रथम उद्देश्य यही है कि इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले जिससे वे आत्मनिर्भर बन गरीबी रेखा से ऊपर उठ सकें, इस कार्य हेतु आपश्री जैसे भामाशाह एवं दानदाताओं की सहायता की अत्यंत आवश्यकता होगी। जिससे की संस्था अपने उद्देश्यों की पूर्ति कर सके।

आओ मिलकर ये जन चेतना लायें,
नहीं करेंगे कूड़ा-कचरा, ऐसा मन बनाएं।

दान सहयोग सहमति पत्र

आदरणीय अध्यक्ष महोदया ,

मै (नाम) .... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश / चौक / डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

निवास पता :- ....

लेण्ड मार्क.. जिला :......................... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नं. घर/ऑफिस .... मोबाईल नं. .... ई-मेल ....

निमित्त सेवा हेतु ☐ मातृत्व आश्रालय ☐ मातृत्व गौ सेवा ☐ मातृत्व वस्त्रालय योजना ☐ फूड ड्राईव योजना
☐ मातृत्व प्रशिक्षण सेवा केन्द्र ☐ वेस्ट से बेस्ट अभियान ☐ हस्तशिल्प कल्याणार्थ

मातृत्व सेवा संस्थान , उदयपुर के नाम पर दान- सहयोग प्रदान करें ।

हस्ताक्षर

संस्थान पेन नं. - PAN NO. - AATM8114F

नाम ....

कृपया आपश्री द्वारा दान-सहयोग चैक/डी.डी./फोन पे/पेटीएम/गुगल पे/ आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी/ ऑनलाईन/नगद राशि 'मातृत्व सेवा संस्थान के पक्ष में निम्नांकित बैंक में सीधे जमा करवाकर संस्थान को सूचित करें।

आपश्री द्वारा दिया गया सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 जी अन्तर्गत कर-मुक्त है।

80 G RENEWAL (ORDER FOR APPROVAL)

URN NO. UNIQUE REGISTRATION NUMBER : AAATM81145520219
DATE OF APPROVAL : 24.09.2021
DATE OF VALIDITY : FROM AY 2022-23 TO AY 2026-27

-: SANSTHAN BANK DETAILS :-

PUNJAB NATIONAL BANK

A/C NAME : MATRUTVA SEVA SANSTHAN,
BRANCH: PANCHSHIL MARG, TOWN HALL
A/C NO: 0458000100313177
IFSC CODE: PUNB0045800

ICICI BANK

A/C NAME : MATRUTVA SEVA SANSTHAN,
BRANCH: RETI STAND,
A/C NO: 433001000257
IFSC CODE: ICIC0004330

AXIS BANK

A/C NAME : MATRUTVA SEVA SANSTHAN,
BRANCH: SECTOR - 5
A/C NO: 919010088955689
IFSC CODE: UTIB0002114

Donate Now

Q93023202@ybl

Matrutva Seva Sansthan

Scan & Pay using Paytm App

Wallet & Bank A/c — Any Debit / Credit card — Paytm Postpaid

BHIM UPI